M.A HINDI

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

1. Programme's mission and objectives:

The Institute of Distance Education, RGU was established in 2005. Like other open distance learning institutions, the Institute of Distance Education, RGU is providing higher education to the targeted learners. The mission and objectives of the programme are:

- To impart and disseminate quality higher education through distance mode by providing instructional and study materials.
- To provide access to higher education to those people who are not able to pursue higher education through regular mode.
- To improve gross enrollment ratio in higher education.
- To promote research and innovative ideas among the students.

2. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The aims of Rajiv Gandhi University are to nurture the talent of learners by promoting intellectual growth to shape their personality and serve humanity as multi-skilled, socially responsible, creative, adaptable, contributing and morally sound global citizens. Also it have a mission to provide opportunities and support students from diverse background and assist them to become well-informed global citizens by developing their intellectual, moral, civic and creative capacities to the fullest through multi-faceted education and sustained engagement with local, national and global communities.

Alike, the mission and goals of the institution are to disseminate and advance quality education through instructions and research, to achieve excellence in higher education. The programme is aimed at providing quality higher education through distance education mode to those people who are interested to pursue higher education but do not get or are not able to take admission in regular mode of higher education by giving counseling, instruction and study materials. Hence, the programme is relevant to the HEI’s mission and goal.

3. Nature of prospective target group of learners:

The target group of learners will be dropout students, who have completed cass XII and are interested to pursue higher education but could not take admission in regular mode due to various social and economic problems. The targeted groups also include in-service, unemployed youth, defense and police personal, working in NGOs and the students who are preparing for competitive examination. This course has been design keeping in mind the growing influence of English and Hindi as Languages for official use. This will ensure that apart from academic experience the students also get competent for applying in administrative jobs.

4. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Learning and/or Online mode to acquire specific skills and competence:

M.A Hindi Programme through Distance Leaning mode is developed in order to give subject-specific skills including-

i) knowledge about communication skills
ii)) knowledge about Hindi language teaching
iii) knowledge about Hindi Grammar
iv) knowledge about Hindi translations and media skills
v) knowledge about the development in the field of literature so that they can pursue Higher Education

The course would enlighten to the learners about these queries. To do so, the Open and Distance Learning mode would provide quality higher education to the interested learners who are left out by the regular mode. It helps them to acquire competencies and skills in the concerned discipline by providing instruction through counseling, study materials, advice and support. Hence, it is the appropriate mode for acquiring competencies and skills.

5. Instructional Design:

a. **Curriculum activities**

i) Duration of programme: 2 (Two) years for M.A
ii) The two years course is comprise of four semesters.
iii) Semester examination is conducted after every five months.
iv) Result is declared after one month.

v) After the declaration of result, admission process starts.

b. Detail syllabus

दूरस्थ शिक्षा विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

रोनो हिल्सदोइमुख ,, ईटानगर

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

हिन्दी

चयन आधारित क्रेडिट पद्धति

(Choice Based Credit System)

MASTER OF ARTS IN Hindi

COURSE TITLE: M.A. Hindi

FIRST SEMESTER

Paper Code	Course Title	Marks		
		End Term	Assignment	Total
MAHIN-401	हिंदी साहित्य का इतिहास । -	70	30	100
MAHIN-402	आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य (अ)	70	30	100
MAHIN-403	लोक साहित्य । -	70	30	100
MAHIN-404	भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि , । -	70	30	100

SECOND SEMESTER

Paper Code	Course Title	Marks		
		End Term	Assignment	Total
MAHIN-405	हिंदी साहित्य का इतिहास ।। -	70	30	100
MAHIN-406	आदिकालीन और मध्यकालीन (ब)	70	30	100
MAHIN-407	लोकसाहित्य ।। -	70	30	100
MAHIN-408	भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि , ।। -	70	30	100

THIRD SEMESTER

Paper Code	Course Title	Marks		
		End Term	Assignment	Total
MAHIN-501	आधुनिक काव्य ।	70	30	100
MAHIN-502	हिंदी गद्या साहित्य ।	70	30	100
MAHIN-503	प्रयोजनमूलक हिंदी ।	70	30	100
MAHIN-504	भारतीय काव्यशास्त्र एवं समालोचना	70	30	100

FORTH SEMESTER

Paper Code	Course Title	Marks		
		End Term	Assignment	Total
MAHIN-505	आधुनिक काव्य ।।	70	30	100
MAHIN-506	हिंदी गद्य साहित्य ।।	70	30	100
MAHIN-507	प्रयोजनमूलक हिंदी ।।	70	30	100
MAHIN-508	पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं प्रमुख आलोचक	70	30	100

एम्.ए हिंदी प्रथम सत्र

पत्र : MAHIN-401

हिंदी साहित्य का इतिहास -1

इकाई :1 साहित्य का इतिहास और इतिहास लेखन की पद्धतियाँ -1

- परिचय
- साहित्य का इतिहास
- साहित्य के इतिहास लेखन के विविध पक्ष
- साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ
- हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्य का आरंभ

इकाई : 2 मध्यकालीन हिंदी साहित्य -1

- परिचय
- भक्तिकाल की पृष्टभूमि नामकरण एवं सीमांकन ,
- भक्ति आन्दोलन का विकास और व्याप्ति
- भक्ति साहित्य की विभिन्न धाराएँ प्रमुख ,प्रवृत्तियां ,सामान्य परिचय : | रचनाएं और रचनाकार
- भक्तिकाल का गद्य साहित्य
- भक्तिकालीन साहित्य और लोक जागरण

इकाई : 3 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि -1

- परिचय

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि राजनीति आर्थिक एवं ,सामाझिक : सांस्कृतिक
- आधुनिक काल का प्रारंभ और नामकरण
- उन्नीसवीं शताब्दी में स्वाधीनता संघर्ष एवं भारतीय नवजागरण
- भारतेंदु पूर्व खड़ी बोली के कवि - संत गंगादास एवं अन्य
- हिंदी काव्य को भारतेंदु का अवदान
- भारतेंदु मंडल के कवि तथा अन्य कवि
- काव्य भाषा का संघर्ष और भारतेंदु युग |
- भारतेंदु युगीन कविता की मूल चेतना और विशेषताएं

इकाई : 4 उत्तर छायावादी काव्यान्दोलन एवं गद्य चेतना -1

- परिचय
- उत्तर छायावादी काव्य का स्वरुप
- प्रमुख छायावाद्दोत्तर कवि और उनकी रचनाएं
  लौकिक एवं संवेदनायुक्त काव्य
  वैक्तिक गीति काव्य
  राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा-
- प्रगतिशील काव्य ;
- प्रयोगवाद
- नवगीत
- समकालीन कविता व अन्य काव्य परिवर्तन
- दलित चेतना स्त्री चेतना और जनजातीय चेतना की कविताएँ ,
  निराला की कविताओं में दलित एवं जनजातीय चेतना
  नागार्जुन एवं जनचेतना
  डॉ रामकुमार वर्मा एवं दलित चेतना .
  नरेश मेहता के काव्य में दलित चेतना

जगदीश गुप्त का काव्य और दलित चेतना
रामधारी सिंह दिनकर और दलित तथा जनजातीय चेतना
सुभद्रा कुमारी चौहान एवं स्त्री चेतना
स्त्री चेतना और अरुण कमल की कविता
समकालीन अन्य कवितायें एवं चेतना के स्वर

इकाई : 5 हिंदी गद्य के प्रमुख विधाओं का उद्भव और विकास -1

- नाटक
- निबंध
- उपन्यास
- कहानी
- एकांकी
- आलोचना
  भारतेंदु युगीन हिंदी आलोचना
  द्विवेदी युगीन हिंदी आलोचना
  शुक्ल युग में आलोचना
  शुक्लोत्तर युगीन आलोचना एवं आलोचना के प्रकार
  नई समीक्षा
- जीवनी
- आत्मकथा
- संस्मरण
- रेखाचित्र
- साक्षात्कार
- यात्रा साहित्य
- पत्र साहित्य
- डायरी साहित्य
- हिंदी साहित्यिक पत्र प्रारंभ और विकास : पत्रिकाएँ-

सहायक ग्रन्थः

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचंद्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ. नगेन्द्र
3.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
4.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड	डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
5.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप द्विवेदी
6.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह
7.	हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
8.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचंद्र शुक्ल
9.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेन्द्र
10.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
11.	रीतिकाव्य की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
12.	बिहारी का नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
13.	घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा	मनोहर लाल गौड़
14.	बिहारी सतसई	जगन्नाथ दास रत्नाकर
15.	रीतिकालीन काव्य सिद्धांत	डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
16.	भूषण और उनका साहित्य	राजमल बोरा
17.	शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

एम.ए हिंदी प्रथम सत्र

पत्र- MAHIN-402

हिंदी साहित्य का इतिहास -2

इकाई : 1 चंदवरदाई

- परिचय
- पृथ्वीराज रासो : राजनैतिक यथार्थ
- पृथ्वीराज रासो में सामंतवादी चेतना

- पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता
- पृथ्वीराज रासो की काव्य शैली और भाषा
- सौन्दर्य चेतना स्वरूप, युद्ध वर्णन एवं प्रकृति
- शशिव्रता विवाह प्रस्ताव की मूल संवेदना और पाथांश
- सारांश

इकाई : 2 विद्यापति

- परिचय
- लोक संस्कृति
- गीति परंपरा
- श्रृंगार और भक्ति
- सौन्दर्य चेतना
- तत्कालीन राजनीतिक परिदृश्य
- पाठांश
- सारांश

इकाई : 3 कबीरदास

- परिचय
- सामाजिक चेतना
- क्रांतिकारिता
- धार्मिक कर्मकांड और कबीर
- भक्ति आन्दोलन और कबीर
- कबीर का काव्य
- कबीर की भाषा
- पाठांश
- सारांश

इकाई : 4 मलिक मुहम्मद जायसी

- परिचय
- सूफी दर्शन और जायसी

- प्रेमाख्यान परंपरा और जायसी
- पद्मावत में लोक तत्व
- पद्मावत की रचना शैली
- जायसी की काव्य भाषा
- जायसी के प्रमुख पात्र
- पाठांश
- सारांश

इकाई : 5 तुलसीदास

- परिचय
- तुलसी की सामाजिक सांस्कृतिक दृष्टि
- भारतीय जीवन- मूल्य और तुलसी का काव्य
- भारतीय जीवन को रामचरितमानस की दें
- तुलसी के राम
- तुलसी की स्त्री सम्बन्धी धारणा
- कलिकाल, वर्तमान जीवन यथार्थ और तुलसी
- तुलसी की काव्य शैलियाँ
- तुलसीदास की सौन्दर्य दृष्टि
- तुलसी की काव्य भाषा
- शास्त्रीय ज्ञान परंपरा एवं तुलसी का काव्य
- तुलसी के प्रमुख पात्र
- पाठांश
- सारांश

सहायक ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास — आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास — डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. रामकुमार वर्मा

4.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड	डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
5.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप द्विवेदी
6.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह
7.	हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
8.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचंद्र शुक्ल
9.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेन्द्र
10.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
11.	रीतिकाव्य की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
12.	बिहारी का नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
13.	घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा	मनोहर लाल गौड़
14.	बिहारी सतसई	जगन्नाथ दास रत्नाकर
15.	रीतिकालीन काव्य सिद्धांत	डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
16.	भूषण और उनका साहित्य	राजमल बोरा
17.	शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

एम.ए हिंदी प्रथम सत्र

पत्र- MAHIN-403

लोक साहित्य - I

इकाई 1 : लोक की अवधारणा एवं लोक साहित्य - 1

- परिचय
- लोक की अवधारणा
- लोक साहित्य का अर्थ और स्वरुप
- लोक साहित्य का क्षेत्र
- लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य

इकाई 2 : लोक साहित्य के प्रकार - 1

- परिचय

- लोकगीत

  लोक गीत की परिभाषा एवं विशेषताएं

  लोकगीत ओर शिष्ट गीत में अंतर

  लोकगीत का वर्गीकरण

  लोकगीतों की सामान्य प्रवृत्तियां एवं रूढ़ियाँ

  लोकगीतों में संगीत का विधान एवं वाद्य यंत्र
- लोककथा

  लोककथा की परिभाषा

  लोककथा के उद्भव के सिद्धांत

  लोक कथाओं की विशेषताएं

  लोककथा का भारतीय वर्गीकरण

  पौराणिक कथाएं एवं उनकी विशेषताएं

  लोककथा व् पौराणिक कथा में अंतर

  लोककथा कथन में कथक्कड़ की भूमिका

इकाई 3 : पूर्वोत्तर के सात राज्यों का लोक साहित्य - 1

- परिचय
- पूर्वोत्तर का लोक साहित्य

  असम

  त्रिपुरा

  नागालैंड

  मणिपुर

  मिजोरम

  मेघालय

  सिक्किम

इकाई 4 : पूर्वोत्तर का लोक साहित्य अरुणाचल :

- परिचय
- अरुणाचल का लोक जीवन
- अरुणाचल के लोक साहित्य का सांस्कृतिक वैशिष्ट्य
- अरुणाचल लोक साहित्य के विविध रूप

लोकगीत
लोकनृत्य
लोककथा
मिथक
लोकोक्तियाँ अथवा कहावतें

सहायक ग्रंथ -

1. भारत के लोक नाट्य	शिवकुमार माथुर
2. लोकधर्मी नाट्य परंपरा	श्याम परमार
3. लोक साहित्य की भूमिका	कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोक साहित्य की भूमिका	रामनरेश त्रिपाठी
5. लोक संस्कृति	वसन्त निरगुणे
6. लोक साहित्य का अवगमन	त्रिलोचन पाण्डेय
7. लोकगीत की सत्ता	सुरेश गौतम
8. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा	दुर्गाभागवत
9. लोकजीवन के कलात्मक आयाम	कालूराम परिहार
10.लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग	श्रीराम शर्मा
11. हिंदी साहित्य का वृहद इतिहास	कृष्णदेव उपाध्याय
12. लोक साहित्य विज्ञान	डॉ. सत्येन्द्र

एम.ए हिंदी प्रथम सत्र

पत्र- MAHIN-404

भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि - 1

इकाई 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान - 1

- परिचय
- भाषा की परिभाषा
- भाषा के अभिलक्षण
- भाषा विज्ञान का स्वरुप
  वर्णनात्मक भाषाविज्ञान
  ऐतिहासिक भाषाविज्ञान
  तुलनात्मक भाषाविज्ञान

इकाई 2 : शैली और शैलीविज्ञान - 1

- परिचय
- शैली ओर शैलीविज्ञान परिभाषा और स्वारूप :
  शैलीविज्ञान का स्वरुप
  शैलीविज्ञान और भाषाविज्ञान का संबंध
- अर्थ सम्प्रेषण विचलन एवं शैली विज्ञान ,
- सामान्यशास्त्रीय एवं काव्य भाषा ,मानक ,

इकाई 3 : भारोपीय भाषा परिवार एवं हिंदी तथा खड़ी बोली का उद्‌भव और विकास - 1

- परिचय
- भारोपीय भाषा परिवार
- भारोपीय भाषा परिवार की प्रमुख विशेषताएं
- भारोपीय परिवार का भाषाई ढांचा
- खड़ी बोली का उद्‌भव और विकास
- फोर्ट विलियम कॉलेज और खड़ी बोली

इकाई 4 : देवनागरी लिपि - 1

- परिचय
- देवनागरी लिपि का नामकरण
- देवनागरी लिपि का उद्‌भव और विकास
- देवनागरी लिपि का हिंदी भाषा के रूप में विकास
- नागरी अंकों एवं नागरी लिपि की उत्पत्ति

सहायक ग्रंथ -

1. भारत के लोक नाट्य	शिवकुमार माथुर
2. लोकधर्मी नाट्य परंपरा	श्याम परमार
3. लोक साहित्य की भूमिका	कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोक साहित्य की भूमिका	रामनरेश त्रिपाठी
5. लोक संस्कृति	वसन्त निरगुणे
6. लोक साहित्य का अवगमन	त्रिलोचन पाण्डेय
7. लोकगीत की सत्ता	सुरेश गौतम
8. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा	दुर्गाभागवत
9. लोकजीवन के कलात्मक आयाम	कालूराम परिहार
10.लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग	श्रीराम शर्मा
11. हिंदी साहित्य का वृहद इतिहास	कृष्णदेव उपाध्याय
12. लोक साहित्य विज्ञान	डॉ. सत्येन्द्र

एम.ए हिंदी प्रथम सत्र

पत्र- MAHIN-405

हित्य का इतिहासहिंदी सा - 2

इकाई 1 : साहित्य का इतिहास और इतिहास लेखन की पद्धतियाँ - 2

- आदिकाल का नामकरण और सीमांकन
- आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ
- आदिकाल का गध्य साहित्य
- आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
- आदिकालीन साहित्य की भाषा |

इकाई 2 : मध्यकालीन हिंदी साहित्य - 2

- रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि
- राजनैतिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक ,
- रीतिकाल का अभिप्राय नामकरण ओर सीमांकन ;
- रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं;
  सामान्य परिचय ;रचनाकार एवं प्रमुख प्रवृत्तियां ,रचनाएं ,
- रीतिकालीन गध्य साहित्य
- रीतिकालीन काव्य की भाषा |

इकाई 3 : आधुनिक काल की पृष्ठभूमि - 2

- द्विवेदी युग नये काव्य परिवर्तन का स्वरुप :
- महावीर प्रसाद द्विवेदी तत्कालीन हिंदी कविता
- द्विवेदी युगीन कविता
  रचनाकार एवं रचनाएं ,मुख्य प्रवृत्तियां -
- छायावाद नामकरण और सीमांकन ,पृष्ठभूमि :
- प्रमुख छायावादी कवी एवं उनका काव्य
- छायावाद्कालीन अन्य कवि एवं उनका काव्य
- छायावादी कविता के माँ मूल्य
- छायावाद्कालीन काव्य का सामाजिक सांस्कृतिक और राजनीतिक चरित्र ,
- छायावाद्कालीन काव्य भाषा का स्वरुप-

इकाई 4 : उत्तर छायावादी काव्यान्दोलन एवं गद्य चेतना - 2

- स्वाधीनता आन्दोलन और हिंदी गध्य साहित्य
- देश विभाजन और हिंदी गध्य साहित्य
- स्वाधीन भारत का जीवन यथार्थ और हिंदी गध्य साहित्य
- दलित चेतना और हिंदी गध्य साहित्य
- स्त्री चेतना और हिंदी गध्य साहित्य
- जनजातीय चेतना और हिंदी गध्य साहित्य
- भूमंडलीकरण और हिंदी गध्य साहित्य

इकाई 5 : हिंदी गद्य के प्रमुख विधाओं का उद्भव और विकास - 2

- रिपोतार्ज प्रारंभ और विकास ;
- दक्खिनी हिंदी साहित्य सामान्य परिचय ;
- उर्दू साहित्य का इतिहास सामान्य परिचय ;
- हिंदी उर्दू साहित्य का पारस्परिक संबंध
- हिंदी साहित्यिक पत्रप्रारंभ और विकास ; पत्रिकाएं-

सहायक ग्रन्थः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास — आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास — डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड — डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास — डॉ. रामस्वरूप द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह
7. हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास — डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास — आ. रामचंद्र शुक्ल
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास — सं. डॉ. नगेन्द्र
10. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. रामकुमार वर्मा
11. रीतिकाव्य की भूमिका — डॉ. नगेन्द्र

12. बिहारी का नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
13. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा	मनोहर लाल गौड़
14. बिहारी सतसई	जगन्नाथ दास रत्नाकर
15. रीतिकालीन काव्य सिद्धांत	डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
16. भूषण और उनका साहित्य	राजमल बोरा
17. शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

एम.ए हिंदी द्वितीय सत्र

पत्र- MAHIN-406

आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य (ब)

इकाई 1 : सूरदास

- परिचय
- कृष्ण काव्य परंपरा में सूरदास
- पुष्टिमार्ग ओर सूरदास
- लोकजीवन और सूरदास
- किसान जीवन और सूर का काव्य
- भ्रमरगीत की परंपरा और सूरदास का काव्य
  भ्रमरगीत रचना की पृष्ठभूमि -
  हिंदी साहित्य में भ्रमरगीत परंपरा ओर सूर -
  भ्रमरगीत में सहृदयता ओर भावुकता -
  सूरदास द्वारा रचित भ्रमरगीत की प्रासंगीकता -
- सूर के काव्य में वात्सल्य वर्णन और बाल मनोविज्ञान
  वात्सल्य का संयोग पक्ष -
  वात्सल्य का वियोग पक्ष -
- ब्रज भाषा को सूर की देन
- भक्तिकालीन गीति काव्य ओर सूर
- अष्टछाप का दर्शन और सूर
- सूर की गोपियाँ

इकाई 2 : मीराबाई

- परिचय
- कृष्ण काव्य परंपरा में मीरा
  -वैष्णवों की पद्धति
  -मीरा की पदावली का विषय
- सामंतवाद को चुनौती ओर मीरा का काव्य
- मीरा के काव्य में स्त्री चेतना
- मीरा की काव्य भाषा
- प्रेम दीवानी मीरा
-

इकाई 3 : आचार्य केशवदास

- परिचय
- रामकाव्य परंपरा और रामचंद्रिका
- केशव का आचार्यत्व
- केशव की में आचार्यत्व 'रसिकप्रिया' और 'कविप्रिया'
- रामचंद्रिका की संवाद योजना
- रामचंद्रिका के लंका कांड से अंगद रावण संवाद-

इकाई 4 : बिहारी

- परिचय
- श्रृंगार परंपरा और बिहारी सतसई
- दरबारी संस्कृति और बिहारी का काव्य
- की कसौटी पर बिहारी 'सतसैया के दोहरे ज्यों नावक के तीर' का काव्य
- बिहारी का काव्य वैभव
- भाव पक्ष
- कला पक्ष
- बिहारी की काव्य भाषा
- बिहारी की बहुज्ञता
- मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी

इकाई 5 : घनानंद

- परिचय

- की कसौटी पर घनानंद का काव्य 'अति सूधो सनेह को मारग है'
- स्वच्छंदतावादी काव्य का स्वरुप और घनानंद का काव्य
- घनानंद की सौन्दर्य चेतना
- घनानंद की काव्य भाषा
- घनानंद के काव्य में प्रकृति
- घनानंद की सुजान

सहायक ग्रन्थः

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचंद्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ. नगेन्द्र
3.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
4.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड	डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
5.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप द्विवेदी
6.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह
7.	हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
8.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचंद्र शुक्ल
9.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेन्द्र
10.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
11.	रीतिकाव्य की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
12.	बिहारी का नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
13.	घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा	मनोहर लाल गौड़
14.	बिहारी सतसई	जगन्नाथ दास रत्नाकर
15.	रीतिकालीन काव्य सिद्धांत	डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
16.	भूषण और उनका साहित्य	राजमल बोरा
17.	शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

एम.ए हिंदी द्वितीय सत्र

पत्र- MAHIN-407

लोकसाहित्य - 2

इकाई 1 : लोक की अवधारणा एवं लोक साहित्य -2

- लोक साहित्य की अध्ययन पद्धति
- लोक साहित्य के संग्रह के आवश्यकताएं
  -लोक साहित्य के संग्रह का इतिहास
  -लोक साहित्य की उपयोगीता
- लोक साहित्य के अध्ययन की चुनौतियां

इकाई 2 : लोक साहित्य के प्रकार -2

लोकगाथा

- लोकगाथा की परिभाषा
- लोकगाथा की विशेषताएं
- लोकगाथाओं की उत्पत्ति
- लोकगाथाओं की विभिन्न श्रेणियां

लोकनाट्य

- लोकनाट्य का अर्थ एवं परिभाषा
- लोकनाट्य की विशेषताएं
- लोकमंच के स्वरुप
- लोकनाट्यों की लोकप्रियता के कारण
- लोकनाट्यों के प्रकार
- भारत के प्रसिद्ध लोकनाट्यों का परिचय

लोक सुभाषित साहित्य

- लोकोक्ति
- मुहावरे
- पहेलियाँ

इकाई 3 : पूर्वोत्तर के सात राज्यों का लोक साहित्य -2

- पूर्वोत्तर लोक साहित्य का वर्गीकरण

- पूर्वोत्तर की लोक साहित्य की विशेषताएं
- पूर्वोत्तर में प्रचलित कुछ कथाएं एवं मिथक

इकाई 4 : पूर्वोत्तर का लोक साहित्य - अरुणाचल :2

- अरुणाचल के लोक साहित्य का सांस्कृतिक वैशिष्ट्य
- अरुणाचल लोक साहित्य के विविध रूप २ -
  - लोककथा
  - मिथक
  - लोकोक्तियाँ
  - कहावतें

इकाई 5 : हिंदी और पूर्वोत्तर भारत के लोक साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन -2

- असमिया और हिंदी का लोक साहित्य
- अरुणाचल और हिंदी का लोक साहित्य
- मणिपुर और हिंदी का लोक साहित्य
- मेघालय और हिंदी का लोक साहित्य
- त्रिपुरा और हिंदी का लोक साहित्य
- मिजोरम और हिंदी का लोक साहित्य
- नागालैंड और हिंदी का लोक साहित्य

सहायक ग्रंथ -

1. भारत के लोक नाट्य — शिवकुमार माथुर
2. लोकधर्मी नाट्य परंपरा — श्याम परमार
3. लोक साहित्य की भूमिका — कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोक साहित्य की भूमिका — रामनरेश त्रिपाठी
5. लोक संस्कृति — वसन्त निरगुणे
6. लोक साहित्य का अवगमन — त्रिलोचन पाण्डेय
7. लोकगीत की सत्ता — सुरेश गौतम

8. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा — दुर्गाभागवत

9. लोकजीवन के कलात्मक आयाम — कालूराम परिहार

10.लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग — श्रीराम शर्मा

11. हिंदी साहित्य का वृहद इतिहास — कृष्णदेव उपाध्याय

12. लोक साहित्य विज्ञान — डॉ. सत्येन्द्र

एम.ए हिंदी द्वितीय सत्र

पत्र- MAHIN-408

भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि -2

इकाई 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान -2

- भाषा विज्ञान का अन्य अनुशासनों से संबंध
- अनुप्रयुक्त एवं समाज भाषाविज्ञान : अभिप्राय और स्वरुप -
- व्यतिरेकी भाषाविज्ञान

इकाई 2 : शैली और शैलीविज्ञान -2

- सामान्य शास्त्रीय एवं काव्य भाषा ,मानक ,
- सामान्य भाषा
- मानक भाषा
- शास्त्रीय भाषा
- काव्य भाषा

इकाई 3 : भारोपीय भाषा परिवार और हिंदी - 2

- अपभ्रंस अवहट्ट और पुरानी हिंदी का स्वरुप ,
- हिंदी भाषा के नामकरण का प्रश्न
- हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण

- हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय

इकाई 4 : खड़ी बोली का उद्‌भव और विकास

- भाषा विवाद और हिंदी भाषा के स्वरुप का प्रश्न
  राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद -
  राजा लक्ष्मण सिंह -
  भारतेंदु हरिश्चंद्र -
  अयोध्या प्रसाद खत्री -
  श्री बालकृष्ण भट्‌ट -
- हिंदी भाषा की वर्तमान शैलियां और भाषा के मानकीकरण का प्रश्न
  हिंदी भाषा की वर्तमान शैलियाँ -
  भाषा का मानकीकरण -

इकाई 5 : देवनागरी लिपि -2

- देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता
- देवनागरी लिपि में सुधार की संभावनाएं
  ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : नागरी लिपि सुधार -
  नागरी प्रचारिणी सभा एवं लिपि सुधार -
  आचार्य नरेंद्र देव समिति के सुझाव -

सहायक ग्रन्थ:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका — देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषा विज्ञान — डॉ. भोलानाथ शर्मा
3. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4. हिन्दी भाषा — डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. शब्दार्थ तत्त्व — डॉ. शोभाकांत मिश्र
6. आधुनिक भाषा विज्ञान — डॉ. राजमणि शर्मा
7. हिन्दी भाषा का इतिहास — डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
8. हिन्दी भाषाः स्वरूप और विकासः — कैलाशचन्द्र भाटिया
9. भाषा और समाज — रामविलास शर्मा

एम.ए हिंदी तृतीय सत्र

पत्र - MAHIN-501

'आधुनिक काव्य - 1'

इकाई 1 : संत गंगादास एवं भारतेंदु हरिश्चंद्र - 1

- परिचय
- खड़ी बोली और संत गंगादास की कविता
- आधुनिक राजनीतिक जागरण और सत गंगादास के काव्य में सामाजिक और पौराणिक चेतना का स्वरुप
- पाठांश

- हिंदी नवजागरण एवं भारतेंदु का काव्य
- राजनैतिक परिस्थितियां
- सामाजिक परिस्थितिया
- साहित्यिक पृष्ठभूमि
- भारतेंदु की राजनीतिक चेतना
- भारतेंदु की काव्यगत विशेषताएं
- पाठांश - 'प्रेम माधुरी' एवं 'यमुना छवि'

इकाई 2 : मैथिलीशरण गुप्त एवं जयशंकर प्रसाद - 1

- परिचय
- स्त्री चेतना एवं मैथिलीशरण गुप्त का काव्य

- साकेत का नवम सर्ग और गुप्त जी की काव्यगत विशेषताएं
- उर्मिला का विरह वर्णन
- पाठांश
- छायावादी काव्य मूल्य और जयशंकर प्रसाद
- प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना
- कामायनी का महाकाव्यत्व
- कामायनी की प्रतीक योजना
- पाठांश - 'पूर्वपीठिका' एवं 'कामायनी' का श्रद्धा सर्ग

इकाई 3 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' एवं महादेवी वर्मा - 1

- परिचय
- निराला का काव्य वैशिष्ट्य
- लंबी कविता की 'परंपरा' और 'सरोज-स्मृति'
- 'राम की शक्ति पूजा' का प्रतिपाद्य
- निराला का काव्य शिल्प
- पाठांश
- महादेवी के काव्य में वेदना तत्व
    - निर्माणात्मक वेदना
    - करूणात्मक वेदना
    - साधनात्मक वेदना
- महादेवी की प्रतीक योजना
- महादेवी वर्मा के प्रगीतों में भाव-सौंदर्य
    - महादेवी वर्मा के प्रगीतों में प्रणय भाव एवं वेदना
    - महादेवी वर्मा के प्रगीत और जड़ चेतन का एकात्य भाव
    - महादेवी वर्मा के प्रगीतों में सौन्दर्यानुभूति
    - महादेवी वर्मा के प्रगीतों में मूल्य बना
    -
- पाठांश - 'तुझको दूर जाना' एवं 'मैं नीर भरी दुख की बदली'

इकाई 4 : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय - 1

- परिचय
- प्रयोगवादी-काव्य और अज्ञेय
    - प्रयोगवादी कविता को पृष्ठभूमि
    - प्रयोग के प्रति अज्ञेय को प्रतिक्रिया
    - प्रयोगवाद एवं उसको प्रवृत्तियां
    - प्रयोगवाद: काव्य भाषा
- नई कविता को अज्ञेय की देन
    - नई कविता एवं उसकी प्रवृत्तियां
    - नई कविता : काव्य भाषा
    - नई कविता और अज्ञेय की उड़ान
- अज्ञेय के काव्य प्रयोग
- अज्ञेय की काव्य भाषा
- पाठांश - 'नदी के द्वीप' एवं 'नदी के द्वीप प्रतिपाद्य'

इकाई 5 : मुक्तिबोध - 1

- परिचय
- मुक्तिबोध का जीवन एवं रचना प्रक्रिया
    - मुक्तिबोध : जीवन परिचय
    - मुक्तिबोध : रचना संसार
- लंबी कविता की कसौटी पर 'अँधेरे में'
- फैंटसी और मुक्तिबोध का काव्य
    - फैंटसी से तात्पर्य
    - फैंटसी का प्रारूप
- मुक्तिबोध के काव्य में आधुनिक भारत का यथार्थ

- सामाजिक जीवन के सांस्कृतिक मूल्य
- राजनैतिक वातावरण की व्यवस्था

- पाठांश

सहायक ग्रंथ :

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचंद्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ. नगेन्द्र
3.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
4.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड	डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
5.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप द्विवेदी
6.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह
7.	हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
8.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचंद्र शुक्ल
9.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेन्द्र
10.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
11.	रीतिकाव्य की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
12.	बिहारी का नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
13.	घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा	मनोहर लाल गौड़
14.	बिहारी सतसई	जगन्नाथ दास रत्नाकर
15.	रीतिकालीन काव्य सिद्धांत	डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
16.	भूषण और उनका साहित्य	राजमल बोरा
17.	शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
18.	सुमित्रानंदन पंत	डॉ. नगेन्द्र
19.	महादेवी वर्मा	जगदीश गुप्त
20.	महादेवी	दूधनाथ सिंह
21.	छायावाद	नामवर सिंह

एम.ए हिंदी तृतीय सत्र

पत्र - MAHIN-502

'हिंदी गद्य साहित्य - 2'

इकाई 1 : गोदान (मुंशी प्रेमचंद) - 2

- परिचय
- गोदान- व्याख्या खंड
- गोदान एवं भारतीय किसान
- गोदान में दलित और स्त्री प्रश्न
    - दलित चेतना
    - स्त्री चेतना
- महाकाव्यात्मक उपन्यास के परिप्रेक्ष्य में गोदान
- गोदान में आदर्श और यथार्थ
    - गोदान में चित्रित यथार्थ
    - गोदान में चित्रित आदर्श
- गोदान का भाषा शिल्प

इकाई 2 : आधे-अधूरे (मोहन राकेश) - 2

- परिचय
- पात्र परिचय एवं व्याख्याएं
    - पात्र परिचय
    - व्याख्या
- आधे-अधूरे में आधुनिकता बोध
- आधे-अधूरे की प्रयोगधर्मिता

इकाई 3 : निबंध - 2

- परिचय
- हृदय - बालकृष्ण भट्ट
    - व्यक्तित्व एवं कृतित्व
    - हृदय-मूल पाठ
    - बालकृष्ण भट्ट की निबंध शैली
    - हृदय प्रतिपाद्य
    - हृदय समीक्षात्मक अध्ययन
- काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था - रामचंद्र शुक्ल
    - व्यक्तित्व एवं कृतित्व
    - काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था- मूल पाठ
    - निबंध शैली
    - काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था : प्रतिपाद्य
    - काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था : समीक्षात्मक अध्ययन

इकाई 4 : कहानी - 2

- परिचय
- 'उसने कहा था' - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
    - लेखक परिचय
    - उसने कहा था मूल पाठ
    - चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी कला की विशेषताएं
    - कहानी का सार
    - कहानी की समीक्षा
    - कहानी कला के तत्व और 'उसने कहा था'
    - महत्वपूर्ण व्याख्याएं
- ठाकुर का कुआं मुंशी प्रेमचंद
    - लेखक परिचय
    - ठाकुर का कुआ मूल पाठ
    - प्रेमचंद की कहानी कला की विशेषताएं

- कहानी का सार
- कहानी की समीक्षा
- कहानी कला के तत्व और ठाकुर का कुआ
- महत्वपूर्ण व्याख्याएं

इकाई 5 : यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा और जीवनी - 2

- परिचय
- यात्रावृत्त : 'परशुराम से तुरख' तक अज्ञेय
  - परशुराम से तूरखम (एक टायर की रामकहानी)
  - लेखन शैली
- रिपोर्ताज : 'ऋणजल-धनजल' फनीश्वरनाथ 'रेणु'
  - ऋणजल - धनजल
  - लेखन शैली
  - साहित्यिक अवदान
- रेखाचित्र : 'भाभी' - महादेवी वर्मा
  - भाभी
  - भाषा शैली

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास — आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास — डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड — डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास — डॉ. रामस्वरूप द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह
7. हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास — डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास — आ. रामचंद्र शुक्ल

9. हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेन्द्र
10. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
11. रीतिकाव्य की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
12. बिहारी का नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
13. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा	मनोहर लाल गौड़
14. बिहारी सतसई	जगन्नाथ दास रत्नाकर
15. रीतिकालीन काव्य सिद्धांत	डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
16. भूषण और उनका साहित्य	राजमल बोरा
17. शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
18. सुमित्रानंदन पंत	डॉ. नगेन्द्र
19. महादेवी वर्मा	जगदीश गुप्त
20. महादेवी	दूधनाथ सिंह
21. छायावाद	नामवर सिंह

एम.ए हिंदी तृतीय सत्र

पत्र - MAHIN-503

'प्रयोजन मूलक हिंदी - 1'

इकाई 1 : भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान - 1

- परिचय
- भारतीय संविधान राजभाषा संबंधी प्रावधान अनुच्छेद 343 से 351 तक
    - संघ की राजभाषा
    - राजभाषा के लिए आयोग और संसदीय समिति
    - एक राज्य, अन्य राज्य अथवा राज्य और संघ के बीच संचार के लिए राजभाषा
    - एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच अथवा राज्य और संघ के बीच हेतु राजभाषा

- किसी राज्य के जन समुदाय के किसी भाग द्वारा बोली जाने वाली भाषा के संबंध में विशेष उपबंध
- न्यायालयों भाषा
- भाषा संबंधी कुछ विधियों को अधिनियमित के लिए विशेष प्रक्रिया
- विशेष निर्देश : व्यथा के निवारण के लिए अभ्यावेदन प्रयोग की जाने वाली भाषा
- हिंदी भाषा के विकास के लिए निर्देश
- अष्टम अनुसूची (अनुच्छेद 344(1) और 351)
- संवैधानिक की विशेषताएँ

इकाई 2 : कार्यालयी हिंदी के प्रमुख प्रकार्य - 1

- परिचय
- प्रारूपण
- पत्र लेखन
- संक्षेपण

इकाई 3 : अनुवाद अर्थ एवं अभिप्राय - 1

- परिचय
- अनुवाद : अर्थ, परिभाषा एवं अभिप्राय
- अनुवाद की पद्धतियां - मानवीकृत अनुवाद व मशीनी अनुवाद
- अनुवाद के प्रकार

इकाई 4 : कंप्यूटर एवं मीडिया लेखन - 1

- परिचय
- समाचार लेखन

- रेडियो लेखन
- विज्ञापन लेखन

इकाई 5 : दुभाषिया विज्ञान - 1

- परिचय
- दुभाषिय अर्थ एवं परिभाषा
- दुभाषिया की भूमिका
- दुभाषिया का कार्य
- दुभाषिया के गुण

सहायक ग्रन्थ:

1.	राजभाषा हिन्दी प्रचलन	डॉ. रामेश्वर प्रसाद
2.	हिन्दी पत्रकारिता	डॉ. वेदप्रताप वैदिक
3.	व्यावहारिक राजभाषा	डॉ. नारायणदत्त पारिवाल
4.	हिंदी शब्द-अर्थ प्रयोग	डॉ. हरदेव बाहरी
5.	पूर्वोत्तर में हिन्दी प्रचार-प्रसार	महन्त चित्र
6.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	डॉ. महन्त
7.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8.	अरुणाचल प्रदेश में हिन्दी: अध्ययन के नये आयाम	डॉ. श्याम शंकर सिंह

एम.ए हिंदी तृतीय सत्र

पत्र - MAHIN-504

'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा समालोचना - 1'

इकाई 1 : भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास - 1

- परिचय
- भारतीय काव्यशास्त्र का संस्कृत एवं संस्कृतेतर इतिहास
- काव्य लक्षण
- काव्य प्रयोजन काव्य हेतु

इकाई 2 : काव्यशास्त्रीय सम्प्रदाय - 1

- परिचय
- अलंकार सम्प्रदाय
- रीति सम्प्रदाय
- ध्वनी सम्प्रदाय

इकाई 3 : पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - 1

- परिचय
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकास क्रम
- प्लेटो
- अरस्तु
- लोंजाइनस का उदात्त तत्व

इकाई 4 : हिंदी आलोचना के सिद्धांत एवं प्रणालियां - 1

- परिचय
- हिंदी आलोचना के सिद्धांत और प्रणालियां
- हिंदी में काव्यशास्त्रीय चिंतन और आलोचना का विकास
- प्रमुख आलोचना सिद्धांत
- रचना के तीन क्षण
- स्वच्छंदतावादी आलोचना

इकाई 5 : हिंदी के प्रमुख आलोचक - 1

- परिचय
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- शिवदान सिंह चौहान
- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
- डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रन्थ:

1.	संस्कृत आलोचना	आचार्य बलदेव उपाध्याय
2.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ. भगीरथ मिश्र
3.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना	डॉ. रामचंद्र तिवारी
4.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
5.	काव्यशास्त्र विमर्श	डॉ. कृष्णनारायण प्रसाद 'मागध'
6.	काव्यांग कौमुदी	आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7.	काव्य के तत्त्व	देवेन्द्रनाथ शर्मा
8.	भारतीय काव्यशास्त्र	सत्यदेव चौधरी
9.	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
10.	रस मीमांसा	आ. रामचंद्र शुक्ल
11.	भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

एम.ए. हिंदी चतुर्थ सत्र

पत्र - MAHIN-505

'आधुनिक काव्य - 2'

इकाई 1 : नागार्जुन एवं रघुवीर सहाय

- परिचय
- नागार्जुन के काव्य में यथार्थ चेतना

- प्रगतिवादी काव्य चेतना और नागार्जुन
- जन कवि के रूप में नागार्जुन
- नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य
- पाठांश
- रघुवीर सहाय के काव्य में राजनीतिक चेतना
- रघुवीर सहाय के काव्य में भाषिक प्रयोग
- समकालीन कविता और रघुवीर सहाय
- पाठांश - 'तोड़ो' एवं 'पढ़िए गीता'

इकाई 2 : महेश्वर तिवारी एवं दुष्यंत कुमार

- परिचय
- नवगीत परंपरा में महेश्वर तिवारी का स्थान
- महेश्वर तिवारी के नवगीतों का भाव-सौन्दर्य एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य
- पाठांश - 'आस-पास जंगली हवाएं है' एवं 'धूप में भी जले हैं पांव'
- हिंदी गजल और दुष्यंत कुमार
- दुष्यंत के काव्य में स्वातंत्र्योत्तर भारतीय
- दुष्यंत का काव्य-सौष्ठव
- पाठांश

इकाई 3 : अरुण कमल

- परिचय
- समकालीन काव्य-मूल्य और अरुण कमल की कविता
- हिंदी कविता में प्रतिरोध की चेतना और अरुण कमल
- समसामयिक जीवन के प्रश्न और अरुण कमल की कविता
- पाठांश

इकाई 4 : कात्यायनी

- परिचय

- स्त्री विमर्श और कात्यायनी की कविता
- कात्यायनी की कविता में स्त्री-पीड़ा के बिंब
- समसामयिक जीवन-बोध और कात्यायनी का काव्य
- पाठांश

इकाई 5 : मलखान सिंह

- परिचय
- परंपरागत समाज-व्यवस्था का प्रतिरोध और दलित कविता
- दलित-विमर्श के परिप्रेक्ष्य में मलखान सिंह के काव्य का मूल्यांकन
- पाठांश

संदर्भ ग्रन्थ:

1. रीतिकाव्य की भूमिका — डॉ. नगेन्द्र
2. बिहारी का नया मूल्यांकन — बच्चन सिंह
3. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा — मनोहर लाल गौड़
4. बिहारी सतसई — जगन्नाथ दास रत्नाकर
5. रीतिकालीन काव्य सिद्धांत — डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
6. भूषण और उनका साहित्य — राजमल बोरा
7. शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना — विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. सुमित्रानंदन पंत — डॉ. नगेन्द्र
9. महादेवी वर्मा — जगदीश गुप्त
10. महादेवी — दूधनाथ सिंह
11. छायावाद — नामवर सिंह

एम.ए. हिंदी चतुर्थ सत्र

पत्र - MAHIN-506

'हिंदी गद्य साहित्य - 2'

इकाई 1 : अंधेर नगरी (भारतेंदु हरिश्चंद्र) - 2

- परिचय
- अंधेर नगरी मूल नाटक
- अंधेर नगरी का नाट्य शिल्प
- 'अंधेर नगरी' में यथार्थ बोध
- 'अंधेर नगरी' की भाषा एवं लोक तत्व
- अंधेर नगरी प्रासंगिकता
- सारांश

इकाई 2 : आधे-अधूरे (मोहन राकेश) - 2

- नाट्य समीक्षा की कसौटी पर आधे-अधूरे
    - कथानक
    - पात्र एवं चरित्र चित्रण
    - युगबोध
    - अभिनेयता
- आधे-अधूरे की नाट्यभाषा
    - रंगमंच के अनुकूल शब्दों का चयन
    - भाषा शैली
    - सारांश

इकाई 3 : निबंध - 2

- साहित्यकारों का दायित्व - हजारी प्रसाद द्विवेदी
    - व्यक्तित्व एवं कृतित्व
    - साहित्यकारों का दायित्व - मूल पाठ
    - निबंध शैली
    - साहित्यकारों का दायित्व - प्रतिपाद्य
    - साहित्यकारों का दायित्व - समीक्षात्मक अध्ययन

- जीवन अपनी देहरी पर - विद्यानिवास मिश्र
    - व्यक्तित्व एवं कृतित्व
    - जीवन अपनी दोहरी पर : मूल पाठ
    - निबंध शैली
    - जीवन अपनी दोहरी पर - प्रतिपाद्य
    - जीवन अपनी दोहरी पर - समीक्षात्मक अध्ययन
    - सारांश

इकाई 4 : कहानी - 2

- 'मलबे का मालिक' - मोहन राकेश
    - लेखक परिचय
    - मलबे का मालिक मूल पाठ
    - मोहन राकेश की कहानी कला की विशेषताएं
    - कहानी का सार
    - कहानी की समीक्षा
    - कहानी कला के तत्व और 'मलबे का मालिक'
    - महत्वपूर्ण व्याख्याएं
- 'यही सच है' - मन्नू भंडारी
    - लेखिका परिचय
    - यही सच है : मूल पाठ
    - मन्नू भंडारी की कहानी कला की विशेषताएं
    - कहानी का सार
    - कहानी की समीक्षा
    - कहानी कला के तत्व और 'यही सच है'
    - महत्वपूर्ण व्याख्याएं
- 'सलाम' - ओम प्रकाश वाल्मीकि
    - लेखक परिचय
    - सलाम : मूल पाठ

- ओम प्रकाश वाल्मीकि की कहानी कला की विशेषताएं
- कहानी का सार
- कहानी की समीक्षा
- कहानी कला के तत्व और 'सलाम'
- महत्वपूर्ण व्याख्याएं
- सारांश

इकाई 5 : यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा और जीवनी - 2

- संस्मरण विष्णु : प्रभाकर यादों की तीर्थयात्रा : जैनेन्द्र कुमार
- आत्मकथा : गुड़िया भीतर गुड़िया : मैत्रेयी पुष्पा
  - गुड़िया भीतर गुड़िया
  - भाषा और शिल्प
- जीवनी : महापंडित राहुल : गुणाकर मुले
- सारांश

संदर्भ ग्रन्थः

1. प्रेमचन्द और उनका युग — रामविलास शर्मा
2. कहानीः नयी कहानी — डॉ. नामवर सिंह
3. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद — डॉ. त्रिभुवन सिंह
4. कुछ कहानियां कुछ विचार : — विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी कहानी का विकास — मधुरेश
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद — सत्येन्द्रकुमार तनेजा
7. हिन्दी गद्य साहित्य — रामचन्द्र तिवारी
8. हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास — रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. उपन्यास का शिल्प — गोपाल राय
10. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा — परमानंद श्रीवास्तव

एम.ए. हिंदी चतुर्थ सत्र

पत्र - MAHIN-507

'प्रयोजन मूलक हिंदी - 2'

इकाई 1 : भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान - 2

- राष्ट्रपति के आदेश सन् 1952, 1955 एवं 1960
- राजभाषा अधिनियम 1963
- राजभाषा अधिनियम (संशोधित 1967)
- राजभाषा अधिनियम, 1976
- राजभाषा के रूप में हिंदी की चुनौतियां एवं भूमिका
- सारांश

इकाई 2 : कार्यालयी हिंदी के प्रमुख कार्य - 2

- संक्षेपण
- पल्लवन
- टिप्पण अथवा टिपण्णी
- परिपत्र
- ज्ञापन
- सारांश

इकाई 3 : अनुवाद : अर्थ एवं अभिप्राय - 2

- अनुवाद की कसौटी
- अनुवादक की कसौटी
- अनुवाद की चुनौतियां
- अनुवाद की भूमिका

- सारांश

इकाई : 4 कंप्यूटर एवं मीडिया लेखन - 2

- फीचर लेखन
- पटकथा लेखन
- कंप्यूटर
- मीडिया
- सारांश

इकाई 5 : दुभाषिय विज्ञान - 2

- आशु अनुवाद : अभिप्राय एवं परिभाषा
- अनुवाद एवं आशु अनुवाद में अंतर
- आशु अनुवाद का क्षेत्र
- आशु अनुवाद की प्रक्रिया
- आशु अनुवाद की पूर्व तैयारी
- आशु अनुवाद की पद्धतियां
- सारांश

सहायक ग्रन्थः

1. राजभाषा हिन्दी प्रचलन — डॉ. रामेश्वर प्रसाद
2. हिन्दी पत्रकारिता — डॉ. वेदप्रताप वैदिक
3. व्यावहारिक राजभाषा — डॉ. नारायणदत्त पारिवाल
4. हिंदी शब्द-अर्थ प्रयोग — डॉ. हरदेव बाहरी
5. पूर्वोत्तर में हिन्दी प्रचार-प्रसार — महन्त चित्र
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी — डॉ. महन्त
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी — डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. अरुणाचल प्रदेश में हिन्दीः अध्ययन के नये आयाम — डॉ. श्याम शंकर सिंह

एम.ए हिंदी चतुर्थ सत्र

पत्र- MAHIN-508

'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा समालोचना - 2'

इकाई 1 : भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास - 2

- काव्य के प्रकार
- रस सिद्धांत
- रस के अंग
- रस निष्पत्ति
- साधारणीकरण
- सहृदय की अवधारणा
- सारांश

इकाई 2 : काव्यशास्त्रीय सम्प्रदाय - 2

- वक्रोक्ति सम्प्रदाय : स्वरुप एवं मूल स्थापनाएं
- औचित्य सिद्धांत : स्वरुप एवं मूल स्थापनाएं
- सारांश

इकाई 3 : पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - 2

- क्रोचे का अभिव्यंजना सिद्धांत
- कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत
- वर्ड्सवर्थ का भाषा-चिंतन
- आई.ए.रिचर्ड्स का मूल्य-सिद्धांत एवं काव्य भाषा
- टी.एस इलियट के काव्य सिद्धांत
- सारांश

इकाई 5 : हिंदी आलोचना के सिद्धांत एवं प्रणालियां - 2

- मार्क्सवादी आलोचना
- समाजशास्त्रीय आलोचना
- सौन्दर्यशास्त्रीय आलोचना
- शैली वैज्ञानिक
- नई समीक्षा आलोचना प्रणालियां
- सारांश

इकाई 5 : हिंदी के प्रमुख आलोचक - 2

- परिचय
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- शिवदान सिंह चौहान
- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
- डॉ. नगेन्द्र
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- डॉ. रामविलास शर्मा
- मुक्तिबोध
- डॉ. नामवर सिंह
- सारांश

सहायक ग्रन्थ:

1.	संस्कृत आलोचना	आचार्य बलदेव उपाध्याय
2.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ. भगीरथ मिश्र
3.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना	डॉ. रामचंद्र तिवारी
4.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
5.	काव्यशास्त्र विमर्श	डॉ. कृष्णनारायण प्रसाद 'मागध'
6.	काव्यांग कौमुदी	आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7.	काव्य के तत्त्व	देवेन्द्रनाथ शर्मा
8.	भारतीय काव्यशास्त्र	सत्यदेव चौधरी
9.	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
10.	रस मीमांसा	आ. रामचंद्र शुक्ल

11. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

c. Faculty and support staff requirements:

Faculty support is provided by the Department of Hindi of Rajiv Gandhi University. Staff support is provided by the Institute of Distance Education itself. The IDE also receives staff support from the University.

d. Instructional delivery mechanisms:

The programme will be imparted with the help of suitably designed syllabus. The syllabus is developed by a group of experts. Instructions to the learners will be provided by conducting counseling. The counseling to the learners will be provided by the invited experts in the concerned discipline.

e. Full credit mapping and time given:

The Syllabus is as per the guidelines of UGC Regulation on Credit-Based Choice System (CBCS). In the first and second semester all the papers are compulsory, while in the third semester four papers are compulsory and one paper is an open elective course. The students are to opt for one open elective paper which will be offered by other departments. In the fourth semester apart from two compulsory papers, students are to opt for three other elective papers out of the total seven elective papers offered. Each paper carries 100 marks – 30 marks for internal (continuous) evaluation during the semester and 70 marks for external evaluation through end semester examination. Each semester will have 20 credits, comprising five papers of four credits each.

M.A. HINDI FIRST SEMESTER

COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	CREDIT	CONTACT HOURS
MAHIN-401	**हिंदी साहित्य का इतिहास -I**	04	10
MAHIN -402	**आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य (अ)**	04	10

MAHIN -403	**लोकसाहित्य -I**	04	10
MAHIN -404	**भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि -I**	04	10

M.A. HINDI SECOND SEMESTER

MAHIN -405	**हिंदी साहित्य का इतिहास -II**	04	10
MAHIN -406	**आदिकालीन और मध्यकालीन (ब)**	04	10
MAHIN -407	**लोकसाहित्य - II**	04	10
MAHIN -408	**भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि -II**	04	10

M.A. HINDI THIRD SEMESTER

MAHIN -501	**आधुनिक काव्य -I**	04	10
MAHIN -502	**हिंदी गद्या साहित्य -I**	04	10
MAHIN -503	**प्रयोजनमूलक हिंदी -I**	04	10
MAHIN -504	**भारतीय काव्यशास्त्र एवं समालोचना**	04	10

M.A. HINDI FOURTH SEMESTER

MAHIN -505	**आधुनिक काव्य II**	04	10
MAHIN -506	**हिंदी गद्य साहित्य II**	04	10
MAHIN -507	**प्रयोजनमूलक हिंदी II**	04	10
MAHIN -508	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं प्रमुख आलोचक**	04	10

f. Identification of media and student support service systems:

This will be done through counseling, discussion, Interactions with the experts. The information and other communication would be done through WhatsApp, Email, Facebook, Google meet etc.

5. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Applications for admission to the programme will be invited through advertisement in the print and social media. The applications will be scrutinized and applicants will be selected for admission on the basis of merit. Merit list will be prepared on the basis of percentage of marks in graduation.

The learners will be provided with study materials. They will also be provided instructions by conducting counseling. The learners will be given home assignments which will be evaluated by the experts. The final examination will be conducted for which question papers will be set by experts and scripts will also be evaluated experts.

6. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Since the proposed discipline belongs to Social Sciences, laboratory work is not required.

Library Resources:

a. Central Library of the University
b. Dedicated Library at IDE, RGU
c. Separate Libraries at the Study Centres

7. Cost estimate of the programme and the provisions:

a) **Cost estimate of the programme:**

Common Annual Budget is sanctioned every year for the current financial year for expenses against all courses. This allocation is in the following heads:

i) Development of Course Materials
ii) Student Support Services (at HQ & Centres)
iii) Staff Training and Development
iv) Technology Support
v) Library
vi) Research & Development

b) Provisions:

FEE STRUCTURE OF MASTER OF ARTS

Details	MA 1st Semester	MA 2nd Semester	MA 3rd Semester	MA 4th Semester
Course Fee	700.00	700.00	700.00	700.00
Admission Fee	500.00	500.00	500.00	500.00
Registration Fee	450.00			
Central Examination Fee	1,600.00	1,600.00	1,600.00	1,600.00
Mark sheet Fee	250.00	250.00	250.00	250.00
Self-Learning Material	3,500.00		3,500.00	
Assignment Evaluation Fee	300.00	300.00	300.00	300.00
Counseling Fee	700.00	700.00	700.00	700.00
Identity Card Fee	100.00	100.00	100.00	100.00
Continuation Fee		500.00	500.00	500.00
Assignment Response Fee	250.00	250.00	250.00	250.00
Centre Fee	300.00	300.00	300.00	300.00
Library Fee	100.00	100.00	100.00	100.00
Total	**8,750.00**	**5,300.00**	**8,800.00**	**5,300.00**

8. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:

a. Quality assurance mechanism:

i) The Institute of Distance Education uploads all its policy decision on the website of the HEI, so that interested learners may know about the programme in detail before enrolled.

ii) Further, counseling is provided during the admission.

iii) As the learner enrolled in a programme, the Institute of Distance Education provides Self-Learning Materials.

iv) The Institute of Distance Education shares all the information to the learners through E-mail and Postal. In recent times, social media like Facebook and WhatsApp have become an integral part of the dissemination of information on quality assurance.

v) In every academic session, the Institute of Distance Education provides 10 (ten) days counseling programme to the learners.

vi) Above these, the academic staffs of the Institute of Distance Education takes thereby address all the grievances of the learners during working hours.

b. Expected programme outcomes:

The programme is designed to provide higher education to the students. It will help learners to acquire knowledge and skills and promote human resources development.